लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

DIPLOMATS SHOULD ALWAYS ADHERE TO THE PRINCIPLE OF 'NATION FIRST': LOK SABHA SPEAKER/राजनयिकों को हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष

…

WORLD TRUSTS US BECAUSE INDIA HAS ALWAYS GIVEN THE MESSAGE OF PEACE, NON-VIOLENCE AND CO-EXISTENCE TO THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि भारत ने दुनिया को सदैव शांति, अहिंसा और सह अस्तित्व का संदेश दिया है: लोकसभा अध्यक्ष

…

DIPLOMATS SHOULD UNDERSTAND WORTH OF LANGUAGE, INDIAN MOVIES AND OTHER ATTRIBUTES OF INDIAN CULTURE IN PURSUIT OF THEIR FOREIGN POLICY GOALS/राजनयिकों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति में भाषा, भारतीय फिल्मों और भारतीय संस्कृति की अन्य विशेषताओं के महत्व को समझना चाहिए

…

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES APPRECIATION COURSE IN PARLIAMENTARY PROCESSES AND PROCEDURES FOR OFFICER TRAINEES OF INDIAN FOREIGN SERVICE AND ROYAL BHUTAN FOREIGN SERVICE/लोकसभा अध्यक्ष भारतीय विदेश सेवा और रॉयल भूटान विदेश सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संसदीय प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में अप्प्रेसिएशन पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया

…

New Delhi; 4 August, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today inaugurated Appreciation Course in Parliamentary Practices and Procedures for Officer Trainees of Indian Foreign Service and Royal Bhutan Foreign Service.

Speaking on this occasion, Shri Birla said that today's global situation is extremely challenging. Therefore, today, maintaining global and regional peace is the biggest challenge for our prosperity and economic development. In such a situation, we have a special responsibility to make all possible efforts to protect the national interest.

Speaking about the responsibilities of diplomats, Shri Birla said that diplomats should always put national interest above everything. They should work on the principle of 'Nation First'. Diplomats should take note of what is the policy of our country for other countries, what is the strategy, etc., Shri Birla emphasized. He further observed that diplomats should understand the worth of language, Indian movies and other attributes of Indian culture in pursuit of goals of foreign policy.

Referring to India's growing power across the world, Shri Birla said that the world trusts us because India has always given the world the message of peace, non-violence and co-existence. The objective of establishing international peace and security has also been laid in the Directive Principles of Policy of our Constitution. The principle of maintaining just and respectful relations with other nations is our constitutional principle. The world trusts us because we have earned this trust by helping the countries of the world in difficult times. India is emerging as a major power in the world today. Our soft power has a big role in this efforts, Shri Birla observed.

नई दिल्ली; 4 अगस्त 2022: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज भारतीय विदेश सेवा और रॉयल भूटान विदेश सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संसदीय प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में अप्प्रेसिएशन पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की आज वैश्विक परिस्थितियां हमारे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हैं। यह विचार व्यक्त करते हुए कि हमारी समृद्धि और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए वैश्विक एवं क्षेत्रीय शांति को बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है , श्री बिरला ने कहा कि ऐसे में हमारे ऊपर विशेष जिम्मेदारी है कि हम राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी संभव प्रयास करें।

राजनयिकों की ज़िम्मेदारी के बारे में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की राजनयिकों को हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। नेशन फर्स्ट की नीति के साथ ही उन्हें अपना हर क़दम बढ़ाना चाहिए। अन्य देशों के लिए हमारे देश की नीति कैसी है, क्या रणनीति है ; इसका ध्यान राजनयिकों को विशेष तौर पर रखना चाहिए, श्री बिरला ने जोर दिया।

दुनिया भर में भारत की बढ़ती शक्ति के बारे में उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा की दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि भारत ने दुनिया को सदैव शांति , अहिंसा और सह अस्तित्व का संदेश दिया है। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा स्थापित करने की बात हमारे संविधान के नीति निदेशक तत्वों में भी कही गई है। अन्य राष्ट्रों के साथ न्यायपूर्ण और सम्मानजनक संबंध बनाए रखने का सिद्धांत हमारा संवैधानिक सिद्धांत है। दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि हमने मुश्किल के समय में दुनिया के देशों की सहायता कर ये भरोसा कमाया है। भारत आज दुनिया में प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें हमारी सॉफ्ट पावर की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि राजनयिकों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति में भाषा, भारतीय फिल्मों और भारतीय संस्कृति की अन्य विशेषताओं के महत्व को समझना चाहिए